आकाशवाणी रायपुर (छत्तीसगढ़)
प्रादेशिक समाचार

1845 शुक्रवार 17.10.2025

मुख्य समाचारः–

1– जगदलपुर में आज दो सौ दस माओवादियों ने अपने एक सौ तिरपन हथियारों के साथ किया आत्मसमर्पण–इनमें माओवादी संगठन के अनेक बड़े और इनामी नेता भी शामिल।

2– पंजीयन विभाग ने रजिस्ट्री में ऋण पुस्तिका की अनिवार्यता को समाप्त किया।

3– राज्य शासन के अधिकारियों और कर्मचारियों को दीपावली से पहले मिलेगा इस महीने का वेतन।

4– छत्तीसगढ़ भवन और अन्य सन्निर्माण कर्मकार मंडल द्वारा विभिन्न योजनाओं के तहत श्रमिकों के बैंक खाते में करीब सत्ताईस करोड़ रूपए की राशि अंतरित की गई।

माओवादी–आत्मसर्पण–01

छत्तीसगढ़ के इतिहास में आज सबसे बड़ी संख्या में माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है। बस्तर के संभागीय मुख्यालय जगदलपुर के पुलिस लाइन परिसर में आयोजित कार्यक्रम में दो सौ दस माओवादियों ने राज्य के पुलिस महानिदेशक अरूण देव गौतम और छत्तीसगढ़ पुलिस तथा केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण किया। इन माओवादियों ने अपने एक सौ तिरपन हथियार भी इस अवसर पर सौंपे।

जिन माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया, उनमें रूपेश उर्फ सतीश, राजमन मांडवी, रनीता और राजू सलाम जैसे बड़े और इनामी माओवादी नेता भी शामिल हैं। माओवादियों ने जो हथियार आज सौंपे, उनमें उन्नीस एके–सैंतालीस रायफल, सत्रह एस.एल.आर. रायफल, तेईस इंसास रायफल, छत्तीस थ्री नॉट थ्री रायफल, चार कार्बाइन, ग्यारह बीजीएल लांचर, बारह बोर की इकतालीस बंदूक और पिस्तौल शामिल हैं।

इस अवसर पर पुलिस अधिकारियों ने आत्मसमर्पण करने वाले सभी माओवादियों को भारत के संविधान की प्रति प्रदान की। वहीं, हिंसा का रास्ता त्याग कर समाज की मुख्यधारा में शामिल होने वाले इन नक्सलियों का स्वागत मांझी–चालकी सहित बस्तर के विभिन्न जनजातीय समुदायों के प्रमुखों ने किया। यह आत्मसमर्पण शासन द्वारा चलाए जा रहे पूनामारगेम यानि पुनर्वास से पुर्नजीवन अभियान के तहत हुआ है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डीजीपी अरूण देव गौतम ने कहा कि पूनामारगेम केवल नक्सलवाद से दूरी बनाने का प्रयास ही नहीं, बल्कि जीवन को नई दिशा देने का अवसर है। उन्होंने कहा कि आज आत्मसमर्पण करने वाले नक्सली बस्तर में शांति, विकास और विश्वास के दूत बनेंगे।

पुलिस विभाग द्वारा आत्मसमर्पित माओवादियों को पचास–पचास हजार रूपए की सहायता राशि के चेक के साथ ही आवास, और आजीविका योजनाओं की जानकारी दी गई। राज्य शासन ने इन युवाओं को स्वरोजगार, कौशल विकास और शिक्षा से जोड़ने के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त की, ताकि वे आत्मनिर्भर और सम्मानजनक जीवन जी सकें। कार्यक्रम के अंत में सभी आत्मसमर्पित माओवादियों ने संविधान की शपथ लेकर लोकतांत्रित मूल्यों के प्रति अपनी निष्ठा व्यक्त की।

बाद में जगदलपुर में पत्रकारों से चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज दो सौ दस नक्सलियों द्वारा किए गए आत्मसमर्पण को पूरे देश के लिए एक ऐतिहासिक क्षण बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन युवाओं ने वर्षों तक भटककर हिंसा का मार्ग चुना, उन्होंने आज अपने कंधे से बंदूक उतारकर संविधान को थामा है।

इस अवसर पर राज्य के उपमुख्यमंत्री और गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि आज का दिन बहुत महत्वपूर्ण है। बस्तर ने आज लाल आतंक से मुक्ति की दिशा में एक बड़ा कदम बढ़ाया है।

रजिस्ट्री–ऋण पुस्तिका

पंजीयन विभाग ने आम आदमी को बड़ी राहत देते हुए रजिस्ट्री में ऋण पुस्तिका की अनिवार्यता को समाप्त कर दिया है। पंजीयन विभाग के आईजी पुष्पेंद्र मीणा ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। पंजीयन विभाग ने अपने स्तर पर ऋण पुस्तिका को गैर जरूरी मानते हुए रजिस्ट्री में इसकी अनिवार्यता को समाप्त करने का निर्णय लिया है। वर्तमान में छत्तीसगढ़ में राजस्व अभिलेख ऑनलाइन कर दिये गये हैं और भूमि पर भारित ऋण की प्रविष्टि ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से की जा रही है। प्रदेश में भूमि के पंजीयन से लेकर अन्य कार्य ऑनलाईन हो रहे हैं, जिसके तहत् पंजीयन प्रणाली को पेपरलेस भी किया गया है। भुईयां पोर्टल पर भूमि का बी–वन, खसरा और नक्शा ऑनलाइन उपलब्ध है तथा मान्य भी है। इसीलिए भौतिक रूप से प्रदान की जा रही ऋण–पुस्तिका या किसान–किताब की पंजीयन के लिए जरूरत नही है।

राज्यपाल–दीक्षांत समारोह

राज्यपाल रमेन डेका आज डॉक्टर सीवी रमन विश्वविद्यलाय के दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने एक सौ पंचानवे विद्यार्थियों को पीएचडी उपाधि प्रदान की। साथ ही एक सौ नवासी विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किए। इस अवसर पर केन्द्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू, उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा, विश्वविद्यालय के कुलाधिपति संतोष चौबे और कुलपति डॉक्टर प्रदीप कुमार घोष सहित अनेक जनप्रतिनिधि और शिक्षाविद् उपस्थित थे।

शासकीय कर्मचारी–वेतन

राज्य शासन ने शासकीय अधिकारियों और कर्मचारियों को दीपावली त्यौहार से पहले इस महीने का वेतन सत्रह और अट्ठारह अक्टूबर को अग्रिम रूप से भुगतान करने के निर्देश दिए हैं। इस संबंध में वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने सभी विभागों को आवश्यक कार्यवाही करने को कहा है। वेतन भुगतान की प्रक्रिया को सुचारु रूप से संपन्न करने के लिए राज्य के सभी कोषालय और उप कोषालय कल अट्ठारह अक्टूबर को भी खुले रहेंगे। राज्य शासन ने स्पष्ट किया है कि मजदूरी, मानदेय और पारिश्रमिक जैसे अन्य मदों में भी नियमानुसार अग्रिम भुगतान किया जाए।

वहीं, राज्य सरकार ने प्रदेश के पेशनरों और परिवार पेशनरों के महंगाई राहत दर में वृद्धि की है। वित्त मंत्रालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार सातवें वेतनमान में दो प्रतिशत और छठवें वेतनमान में छह प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है।

श्रम विभाग–राशि

छत्तीसगढ़ भवन और अन्य सन्निर्माण कर्मकार मंडल द्वारा विभिन्न योजनाओं के तहत श्रमिकों को दीवाली से पहले छब्बीस करोड़ नब्बे लाख रूपए से अधिक की सहायता राशि उनके बैंक खातों में अंतरित कर दी गई है। मंडल के अध्यक्ष डॉक्टर रामप्रताप सिंह ने डीबीटी के माध्यम से श्रमिकों के खातें में यह राशि अंतरित की। श्रम विभाग के सचिव सह श्रमायुक्त हिमशिखर गुप्ता ने बताया कि श्रम कल्याण मंडल द्वारा संचालित अट्ठारह योजनाओं के अंतर्गत अठासी हजार से ज्यादा हितग्राहियों को सहायता राशि प्रदान की गई है।

कैबिनेट मंत्री–दर्जा

राज्य शासन ने प्रदेश के निगम, मंडल और आयोग में नियुक्त किए गए अध्यक्ष और उपाध्यक्ष को कैबिनेट तथा राज्य मंत्री का दर्जा प्रदान किया है। इनमें से तेरह अध्यक्ष–उपाध्यक्षों को कैबिनेट मंत्री और बाईस को राज्यमंत्री का दर्जा दिया गया है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि सभी नवनियुक्त कैबिनेट और राज्यमंत्री, जनसेवा, सुशासन और विकास के हमारे संकल्प को और गति देंगे तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में अग्रणी भूमिका निभाएंगे।

बातों–बातों–में

प्रादेशिक समाचार एकांश का समसामयिक विषयों पर आधारित कार्यक्रम ''बातों–बातों में'' इस बार छत्तीसगढ़ खादी और ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वोकल फॉर लोकल आह्वान के तहत छत्तीसगढ़ में खादी उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे प्रयासों पर केंद्रित रहेगा। इसके तहत छत्तीसगढ़ खादी और ग्रामोद्योग बोर्ड के अध्यक्ष राकेश पांडेय से ली गई भेंटवार्ता का प्रसारण किया जाएगा। इस कार्यक्रम का प्रसारण कल अट्‌ठारह अक्टूबर को एफ.एम. और प्राईमरी चैनल पर सुबह नौ बजे से किया जाएगा। इसे छत्तीसगढ़ स्थित आकाशवाणी के सभी केंद्र रिले करेंगे।

राष्ट्रीय पर्यटन सम्मेलन

उदयपुर में आयोजित राष्ट्रीय पर्यटन सम्मेलन में बस्तर के चित्रकोट जलप्रपात और इसके आसपास के प्रमुख स्थलों को ग्लोबल डेस्टिनेशन में शामिल करने पर सहमति बनी है। इस सम्मेलन में राज्य के पर्यटन और संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल भी शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने छत्तीसगढ़ के प्रमुख पर्यटन स्थलों को 'वन स्टेट वन डेस्टिनेशन' में शामिल करने की बात कही। उन्होंने कहा कि बस्तर स्थित चित्रकोट जलप्रपात को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। दो दिवसीय इस सम्मेलन में केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, राज्य और केन्द्रशासित प्रदेशों के पर्यटन मंत्री तथा विभागीय सचिव भी शामिल हुए।

<><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><>
<><>
<><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><>
<><>